WEATHER 30°C / Smoky haze

PAGE Total 1 Pages

फखरपुर दैनिक

"आपकी बात, हर रोज़, हर पन्ने पर"

CHIEF EDITOR Furkan S Khan

TODAY SPECIAL Daily Posts Edition

ट्रेंडिंग

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 800 से अधिक नेतृत्व पद खाली : शिक्षा पर गहरा असर

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 800 से ज़्यादा प्रिंसिपल और उप-प्रिंसिपल के पद रिक्त पड़े हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था और ...

Report: Zainab | Updated: 09:45 PM

Key Highlightsदिल्ली के सरकारी

स्कूलों में 800 से अधिक नेतृत्व पद रिक्त।प्रिंसिपल और उप-प्रिंसिपल के पद प्रमुख रूप से प्रभावित।प्रशासनिक कामकाज, शैक्षणिक गुणवत्ता और छात्रों के भविष्य पर सीधा असर।दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 800 से अधिक महत्वपूर्ण नेतृत्व पद खाली पड़े हैं। यह स्थिति राजधानी की शिक्षा व्यवस्था पर गहरा असर डाल रही है। ये रिक्तियां न केवल स्कूलों के प्रशासनिक ढांचे को कमजोर कर रही हैं, बल्कि शैक्षणिक गुणवत्ता और छात्रों के समग्र विकास के लिए भी गंभीर चुनौती पैदा कर रही हैं।शिक्षा व्यवस्था पर बढ़ता दबावप्रिंसिपल और उप-प्रिंसिपल जैसे पद किसी भी स्कूल के सुचारु संचालन की रीढ़ होते हैं। इन पदों पर अनुभवी और सक्षम नेतृत्व का अभाव सीधे तौर पर स्कूल के माहौल, अनुशासन और अकादमिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है। इन रिक्तियों के कारण मौजूदा शिक्षकों और स्टाफ पर काम का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।प्रशासनिक चुनौतियाँ और निर्णय में देरीनेतृत्वविहीन स्कूलों में रोजमर्रा के प्रशासनिक कार्यों को निपटाना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। महत्वपूर्ण शैक्षणिक योजनाएं, नीतियों का क्रियान्वयन और छात्रों से संबंधित त्वरित निर्णय अक्सर अधर में लटक जाते हैं। इससे शिक्षा प्रणाली में एक प्रकार की सुस्ती आ जाती है, जिसका सीधा असर छात्रों के सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है।छात्रों के भविष्य पर असरएक मजबूत और प्रेरणादायक नेतृत्व छात्रों के लिए मार्गदर्शक का काम करता है। प्रिंसिपल और उप-प्रिंसिपल की अनुपस्थिति में छात्रों को सही दिशा और मार्गदर्शन मिलने में कमी आ सकती है। विशेषकर, उप-प्रिंसिपल के पद खाली रहने से अकादमिक पर्यवेक्षण और शिक्षक-छात्र संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे छात्रों का समग्र विकास प्रभावित होता है।समाधान की राह में बाधाएंलंबे समय से इन पदों को भरने में आ रही बाधाएं चिंता का विषय हैं। भर्ती प्रक्रिया में देरी, प्रशासनिक अड़चनें या अन्य कारण इस गंभीर समस्या को और भी जटिल बना रहे हैं। सरकार और संबंधित विभागों को इस मुद्दे पर तत्काल और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि शिक्षा प्रणाली को और अधिक कमजोर होने से बचाया जा सके और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके।⁉️ अपनी राय साझा करें !दिल्ली के सरकारी स्कूलों में खाली पड़े इन नेतृत्व पदों के बारे में आपकी क्या राय है ? आपको क्या लगता है, इस समस्या को हल करने के लिए सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए ?दिल्ली की शिक्षा से जुड़ी और नवीनतम खबरों के लिए, Vews.in पर बने रहें।

विदेश

मस्कट में फंसी वारंगल की महिला, के.टी.आर. ने मदद का हाथ ब...

वारंगल की एक महिला को नौकरी का वादा कर मस्कट ले जाया गया, जहां उसे बंधक बना ल...

ट्रेंडिंग

'मोमाकू' रिव्यू : एक ATM, एक रात और पितृसत्ता की गहरी पड़ताल

'मोमाकू' की समीक्षा एक ATM, एक अकेली रात और पितृसत्ता के जटिल जाल को उजागर कर...

LATEST NEWS

07:50 PM

ईरान शांति वार्ता के लिए रवाना हुए पाकिस्तान के नकवी...

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ईरान दौरे पर हैं, ...

07:15 PM

कर्नाटक की रजोनिवृत्ति नीति : एक प्रगतिशील कदम, पर डे...

कर्नाटक की रजोनिवृत्ति नीति महिला स्वास्थ्य में मील का पत...

06:55 PM

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को मौत की सजा,...

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को युद्ध अपराधों के...

WEATHER

Bahraich	30°C
06 AM	25°C
12 PM	34°C
06 PM	33°C

"अपनी न्यूज़ पोर्टल के लिए यह प्रीमियम E-Paper स्क्रिप्ट और वेबसाइट बनवाने के लिए हमसे अभी संपर्क करें।"

— संपर्क करें WHATSAPP: +91 9984162016

#01

सीआरपीएफ जवान की पिटाई का पुराना वीडियो नए...

सोशल मीडिया पर एक पुराना वीडियो हालिया घटना बताकर तेज़ी स...

ट्रेंडिंग

#02

सीरियाई अदालत का ऐतिहासिक फैसला : बशर अल-अस...

सीरियाई अदालत ने राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनके भाई को युद...

ट्रेंडिंग

#03

एमपी : बहनों ने पकड़ा चोर, वीडियो को मिला झ...

मध्य प्रदेश में दो बहनों ने मोबाइल चोर को बहादुरी से पकड़...

ट्रेंडिंग

ADVERTISEMENT